बंशीधर तिवारी, आई.ए.एस.
महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा

महानिदेशालय विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
ननूरखेड़ा, तपोवन मार्ग,देहरादून
दूरभाष नम्बरः 0135–2780483
फैक्स– 2780140
E-Mail: dgeduuk@gmail.com

गणतन्त्र दिवस संदेश

अति हर्ष का विषय है कि आज हम 74वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मना रहे हैं। इस पुनीत अवसर पर विद्यालयी शिक्षा परिवार के समस्त छात्र/छात्राओं, शिक्षकों, कार्मिकों, अभिभावकों, शिक्षाधिकारियों को गणतन्त्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

आज के इस शुभ अवसर पर सर्वप्रथम स्वतन्त्र भारत देश के उत्तरदायी नागरिक के नाते समस्त सम्माननीय स्वतन्त्रता सेनानियों को नमन करते हैं। साथ ही महान विद्वत संविधान निर्माताओं के अतुल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त करते हैं

इस अवसर पर मैं सभी विद्वान शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं से अपेक्षा करता हूँ कि आप अध्ययनरत् छात्र/छात्राओं को देशभक्तों की गाथाओं, शहीदों के बलिदान तथा सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराते हुए राष्ट्र के गौरवशाली अतीत से भी अवगत करायेंगे।

साथ ही वर्तमान समय में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों से समस्त जनमानस को अवगत कराते हुए उन्हें लाभान्वित करने के प्रयास भी करेंगे। आप सभी भिज्ञ है कि छात्र/छात्राओं के सर्वांगीण विकास में औपचारिक शिक्षा की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण है। सामुदायिक सहभागिता से शिक्षण संस्थाओं में शिक्षण अधिगम हेतु अनुकूल वातावरण तैयार किया जा सकता है। शैक्षिक स्थितियों को सुदृढ़ कराये जाने हेतु संस्थाध्यक्षों में नेतृत्व क्षमेता का विकास करने तथा शिक्षकों को कौशलात्मक प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु उपयोगी कार्यक्रम आयोजित किया जाना सराहनीय है।

शिक्षकों के सराहनीय योगदान से परिषदीय परीक्षाओं के परीक्षाफल में निरन्तर अभिवृद्धि हो रही है, जिसमें और अधिक सुधार करने की आवश्यकता है, और यह तभी सम्भव है जब हम अपने दायित्वों का निर्वहन और अधिक निष्ठा एवं समर्पित भाव से करें। शिक्षा में एक समान गुणात्मक सुधार हम सभी का समन्वित उत्तरदायित्व है।

हम सभी विदित हैं कि समान शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के दृष्टिगत राज्य सरकार द्वारा कक्षा 1 से कक्षा 12 तक एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यक्रम राज्य के समस्त राजकीय एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों में क्रियान्वित किया गया है। छात्र–नामांकन में अभिवृद्धि हेतु प्रवेशोत्सव कार्यक्रम, छात्रों में सृजनशीलता एवं कौशलात्मक विकास हेतु प्रतिभा दिवस का आयोजन, छात्र सम्प्राप्ति स्तर में निरन्तर वृद्धि हेतु मासिक परीक्षाओं का आयोजन किया जाना उत्तम प्रयास है।

विद्यालयों में गुणवत्ता संवर्द्धन हेतु शंका समाधान दिवस, अंग्रेजी वार्तालाप दिवस, बालिका पंचायत, इंस्पायर अवार्ड, एवं नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अन्तर्गत ''बालवाटिका'' कार्यक्रम एवं अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम जो छात्र उपयोगी है, विभाग द्वारा विभिन्न स्तरों पर संचालित किए जा रहे हैं।

विद्यालय स्तर पर पुस्तकालयों की स्थापना एवं विकास, खेल सामग्री की सुनिश्चितता एवं विभिन्न स्तरों पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन, सांस्कृतिक गतिविधियां, विज्ञान महोत्सव आदि में हमारे बच्चे विशिष्ट उपलब्धियां प्राप्त कर रहे हैं। किसी भी प्रकार के संक्रमण से बचाव के दृष्टिगत स्वच्छता सम्बन्धी आदतों का विकास, जल संरक्षण, आपदा प्रबन्धन आदि विषयों पर समय समय पर कार्यक्रम आयोजित करते हुए जागरूक किया जाना अनिवार्य है।

प्रदेश को औपचारिक शिक्षा के क्षेत्र में समर्थ बनाने तथा छात्रों को शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने हेतु सभी शैक्षणिक एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों को अपने–अपने दायित्वों का निर्वहन करने हेतु कृत संकल्पित होना है, ऐसी मेरी अपेक्षा है।

पुनः गणतन्त्र दिवस के इस पुनीत अवसर पर सभी शिक्षा हितधारकों को अप्रतिम बधाइयां।

शुभेच्छु

(बंशीधर तिवारी)
महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड